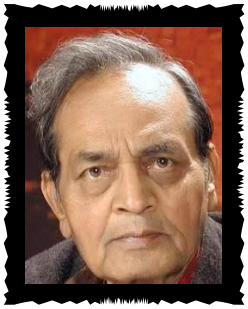

शेरजंग गर्ग

नए साल में

नए साल में ताजे सुंदर फूल खिलेंगे,
नए साल में नए-पुराने मित्र मिलेंगे।
नए साल में भैया-दीदी खूब पढ़ेंगे,
कोई कितनी करे शरारत, नहीं लड़ेंगे।
नए साल में रंग खुशी का चोखा होगा,
नए साल में हर त्यैहार अनोखा होगा।

स्वस्थ रहेगी प्यारी दादी नए साल में,
गुड़िया की भी होगी शादी नए साल में।
अच्छे-अच्छे काम करेंगे नए साल में,
सीधे-सच्चे नहीं डरेंगे नए साल में।
भैया को उग आए दाढ़ी नए साल में,
छुक-छुक चले हमारी गाड़ी नए साल में।

मिठाई का गीत

बनी जलेबी, बड़ी फरेबी
टेढ़ी-मेढ़ी तिरछी गोल,
नरम, गरम, रसभरी करारी
मुँह में देती मिसरी घोल।

बर्फ़ी है, जो बर्फ़ नहीं है
सर्दी में भी खा लें आप,
रसगुल्लों की ख़ूब सुनाई
यह आए तो सब कुछ फ्लॉप।

 ISSN:2583-8849